मस्यमनुकृध्यते विषमस्यं त्यन्नति (योपितः) R. 3, 19, 6. भर्तारमनुकृध्यतः क्तिएयते वीर्पत्नयः MBu. 4,492. गतश्रीकान् — पार्यानानुरोडुं वमर्रुति 3,15632. मन्हार (तन्ह्र beide Ausgg.) शिली हाजा मिध्यापचहिता म-या dem ich zugethan bin 5,1308. इत्यादिभिः त्रिपशतिर्नुहृध्य मुम्धान् seine Zuneigung zu erkennen gebend Uttanan. 55, 3 (71, 1). प्रयद्शाल-म्बसे काम तत्तदेवान्रुख्यसे daran hängst du Spr. 3394. धर्मम्, ज्ञानम्, काममनु रुथते Nia. 14,6. MBu. 5,4156. Spr. 4275. द्वापम् MBu. 3,13891. सुखप्रिये ३,९५०. धर्म्यमुपभागम् 12,६६७६ (म्रनुरुध्ये st. म्रनुरुध्ये ed. Bomb.). शीचम् ४३९०. निजप्रतिज्ञामनुरुध्यमाना मकाखमाः कर्म समार्भत्ते haltend an Spr. 216. धर्ममेवानुरुध्यति MBn. 3,2169. मर्थम् 12678. सुखप्रिये ठ, 648 (जामात् st. कामान् ed. Bomb.). काममन्हरूथता (lies क्रयता) Mirk. P. 73,16. म्राप्रमे वासमन्तृध्य Gefallen findend an R. 7,48,5. — 4) gutheissen, billigen; med.: इमाममूला गाविन्द्राज्ञातिः नानुहन्ध्मके Кссс. ги М. 4,7. 11,180. श्रुतवानिस्म यत्कर्म कृतवानिस् भार्गव। श्रुनुह-ध्यामके त्रस्मित्पत्रान्एयमास्थितम् (म्रास्थितः ed. Bomb.) ॥ wir billigen es, dass du R. 1, 76, 2. पर्त्तीर्विचित्रैर्यन्तो भवाय ते राजनस्वदेशाननुराडु-मर्क्सि Buig. P. 4, 14, 21. — 5) sich richten nach, Rücksicht nehmen auf: मना ऽनुरुन्धती भर्तुः MBu. 13,4497. लाकगावामन्रुन्धानः Sanyadançanas. 2,1. नान्रोत्स्ये जगल्लह्मीम् Buajj. 16,23. कृत तिर्वञ्चा ४पि परिचयमनु-हृध्यते UTTARAR. 31,8 (66,8). श्रनुहृध्यस्व भगवती वित्तिष्ठस्यादेशम् 73,12 (97, 7). शिक्तर्ग्णाश्रया तत्र प्रधानमन् कथ्यते Verz. d. Oxf. H. 162, b, N. 7. स्वामनुहृध्य वृद्धिम् 198, b, No. 467. न चास्या व्हृद्यमननुहृध्य स्वेटक्या नर्म कुपोत् Kåmaç. boi Mallin. zu Kumâras. 7, 94. नार्य पापा मया कञ्च युक्तः स्पार्नुरोधितुम् । प्राणीन er verdient nicht, dass ich in Bezug auf sein Leben Rücksicht auf ihn nehme MBn. 2, 926. स्वगीर्यमनुहृद्ध: so v. a. den Himmel im Auge habend Spr. 4673, v. l. — Vgl. মনুদ্র fg., मन्राध (gg.

— 契可 abhalten, abwehren; verstossen, ausschliessen, namentlich von Herrschast oder Besitz vertreiben: ऋष जापान राधम RV.10, 34, 2. 3. श्र-तिविम् Air. Ba. 3,30. श्रन्यतेत्रे श्रप्तहं चरतम् Av. 3,3,4. 12,3,43. श्र-पेमं जीवा स्रेह्यन्गृकेभ्यं: 18,2,27. राष्ट्रात् Air. Ba. 8,10. Çar. Ba. 12,9, s, 1. TS. 2,2,e,5. 3,1,1. या उर्वमतः सी उर्वम्ह्यता या उर्वमृद्धः सी उर्वम-च्कत् 6,6,5,3. КАти. 27,5. सिन्ध्तिहाजिर्धिर्यागपतृद्वश्चर्न् Рамкач. Вв. 12, 12,6. 15,3,25. 18,3,5. Kātj. Çr. 19, 1, 3. 22, 9, 16. 契甲元言 Kām. Nītis. 13,73 fohlorhast für उपहृद्ध (vgl. 67). Vgl. श्रवहाड्य, श्रवहाध. - desid. श्रपकृत्तस्यमान den man abschaffen will Karu. 37,11.

— তথ্য intens. Imd verstossen, der Herrschaft berauben R. ed. Bomb. 2,58,20; vgl. u. 契耳 intens.

— 項闩 1) abwehren, abhalten MB11. 8, 4308. — 2) in Verwirrung bringen: मैनिकास्तवावनमभिक्तन्धित्त ÇAK. CH. 24,10. 33,3. उपकृन्धित die andere Recension.

— म्रव 1) Jmd abhalten, zurückhalten : न शशानात्तरैर्वाच्यीरवराई स-म्यतम् R. 3,1,33. मा गा इत्यवहृद्धा Çîk. 33. Sîn. D. 48,8. versperren, hemmen: स्नातमा वर्त्मान्यवरूध्यते गर्भेण Suga. 1,328,8. festhalten, einschliessen (nach dem Comm.): श्रवं श्मुशा त्रियद्वा: RV. 10,105,1. absondern, zurückstellen, einsperren; beseitigen: गर्ना सरुस्रम् ÇAT. Ba. 11,6, з, 1.14, 6, 1, 2. उद्गातारम् 13, 2, з, 2. सप्त आतृत्यान् 14, 5, з, 1. 6, 1, 2. Çійки. Ba. 12, 8. Shapy. Ba. 4, 2. स्रवाराधि गार्देवदत्तेन wurde eingesperrt, स्रवा-

हाड गी: स्वयमेत्र sperrte sich selbst ein P. 3,1,64, Sch. mit doppeltem acc. P. 1,4,51. स्रवरूपादि गां त्रजम् Schol. शांकं चित्तमवारूधत् er schloss seinen Kummer in's Herz ein Buatt. 6,9. gewöhnlicher mit acc. und loc.: ग्रात्मानमात्मन्यवरूध्य Bulla. P. 2,2,16. ईश्चरः सच्चा व्हय्ववरूध्यते अत्र कृतिभिः प्रमृत्युभिः 1,1,2. तिर्यक्षन्त्यविव्यादिष् — स्रवहृद्धदेकः 3, 9,19. स्रविहाम् दासीय् eingeschlossen Jack. 2,290. स्रजाविकाः eingehegt M. 8,236. मिक्मा तस्य वृद्धवन्धका। म्रविगृह इवाभवत् yleichsam eingesperrt Råća-Tan. 6,286. तामवरूडलर्मनैपीत् so v. a. sperrte sie in seinen Harem ein (vgl. म्रजराघ) ४,677. भवानीनायै: स्त्रीगणार्ब्दसरुद्धीरव-रुध्यमानः (= मर्चतः सेट्यमानः Comm.) umlagert, umgeben Bula. P. 5, 17,16. belagern: प्रमनारूपात् Daçak. 93,20. काञ्च्या गाउतरानरूडनस-নিসানা zugezogen, zusammengebunden Spr. 630. med. vei sich behalten, zurückhalten so v. a. nicht gewähren: ग्रयं प्रवर्तिता धर्मस्तुला धार्यता लपा। स्वर्गद्वारं च वृत्तिं च भूतानामवरे।त्स्यते ॥ MBs. 12,9396. in sich schliessen, enthalten Bulg. P. 8,12,11. स्वतृष् = श्रपतृष् verstossen, ausschliessen, vertreiben: यस्य चार्चे उन्हटयसे R. 2, 30, 9. रा-ष्टात् Kauç. 16. Çâñen. Ça. 14,50,8. पाञ्चालस्य वने वसतो वह्तहस्य (d. i. র নির্ম্য, wie schen Weber vermuthet hat) Kare. Anuka. in Ind. St. 3, 460. म्रवर्रेडा งचरत्पार्था वर्षाणि त्रिर्शानि च MBн. 4,2011. म्रवरुड bedeckt, verhüllt: निर्गादितद्वैपैर्जलधर्जालैस्यरुमवर्भेड दारुमय वार्छः। प-दि विपदेवं भवति मुभित्तम् VARAH. BRH. S. 24, 20. म्रवहृद्धशून् unerkannt, incognito Daçak. 101, 15. — 2) act. verleihen, verschaffen (für Jmd abfordern): सा मे अमुब्मादिद्मवरून्ध्यात् (v. 1. म्रवरून्हाम् erlange für mich) Kause. Up. 2, 3. med. erhalten, erlangen, erreichen (für sich absondern, als sein Theil verwahren): अपेशिमितं लोकमर्व फ्रन्धे AV. 9, 5,22. 6,9. 40. पृथा देव्यानीन् 15,11,3. म्रुगृतस्य भृतम् 13,2,15. तेनु वै स देवतीश्विन्द्रियं चार्वाहरूध TS. 2,5,2, सर्वत एवैनेमव्ह्राच्यं चिनुते 5,7,10, 2. प्रजामवं रून्धीमिक् 7,2,6,1. Air. Ba. 1,6.12. 2,17. 3,2. कामम् Kåra. 33,1. Çат. Вв. 4,6,9,20. स्रज्ञम् 5,2,2,3. 10,6,5,8. सर्व हैवास्य तदाप्तम-वरुद्धमभितितम् 11,2,3,1.12,7,3,7.14,4,3,31 (स्रवारून्धत् Bau. Ar. Up. 1, 5, 21). Shapv. Br. 3, 7. Kuand. Up. 2, 15, 2. Brag. P. 2, 7, 21 (wo die ed. Bomb. त्रमताप्रवावरून्ध त्राप्श्च liest; das erste स्रव erklärt der Comm. म्रवसनं पूर्व देत्यैः). 3,25,27. 4,13,9 (म्रवहत्धानः = म्राप्रवन्, जा-ননু Comm.). 5,1,15.2,21.4,4.14,1.22.33 (der Comm. ergänzt ন্ত্ৰ :-खादि, Bunnour übersetzt अवहत्धान durch s'arrêtant). 39 (अवहत्धते st. म्रवहरूडे). 10,68,28. 11,12, 2. act.: पर्ग काष्ठामिचरादवरातस्यसि 3, 33,10. सर्वे कामा श्रवहाः स्पः ÇAÑK. zu KHAND. Up. S. 16. BHAG. P. 3, 23, 7. 10, 15, 22. Mark. P. 49, 58 (?). — 3) an Jmd hängen, Jmd zugethan sein (vgl. ब्रनु): पृथुमेवावरून्यती Buig. P. 4,15,5. — Vgl. 2. म्रव-राघ (g., 2. म्रवराधन. — caus. वेगावराधित wohl verstopft Suga. 2, 239, 3. — desid. med. श्रवाहारसत zu erlangen wünschen, einzuholen suchen TS. 1,5,1,1. TBR. 1,3,2,1. 2,1,2,1. AIT. BR. 1,12. 되부터 여부 CAT. Br. 10,4,2,6. Катн. 12,5. पप्रन् Âcv. Çr. 11,2,18. Виас. Р. 3,9,18. 9, 13, 10. act. 4,8,30. — intens. aus der Herrschaft vertreiben, der Herrschaft berauben: श्रतिक्रासवया राजा मा स्मैनमवरेगरूध: (स्मैनं व्ययरेग-रुधः ed. Bomb.) । कैामार्राज्ये जीवस्व तस्यैवाज्ञा प्रवर्तताम् ॥ R. 2,38,20.

— पर्यव s. पर्यवेराध.

— प्रत्यव 1) hemmen, unterdrücken: प्रत्यवहृद्धभाजन Buke. P. 1,10,